Hindi Murli Quiz 10-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) ब्रह्माण्ड माना

A. ब्रह्म महतत्व
B. साकार दुनिया
C. सूक्ष्मवतन
D. तीन लोक

Q.2) आज की मुरली के पहले वाक्य का चयन करें -

A. रूहानी बाप रूहानी बच्चों को समझाते हैं |
B. अभी बच्चे समझते हैं कि बिगड़ी को बनाने वाला एक ही है।
C. यह गीत भी भक्ति मार्ग का है |
D. इनमें से कोई भी सही नहीं है |

Q.3) साइलेन्स की पॉवर से निगेटिव को पॉजिटिव में परिवर्तन करो।

A. False / ये वाक्य गलत है
B. True / ये वाक्य सही है

Q.4) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	नाटक कब शुरू हुआ?	1	यह कभी कोई बता न सके।
B	ब्रह्मा का दिन और ब्रह्मा की रात	2	उन लोगों को अपना अहंकार तो रहता है ना।
C	भक्ति मार्ग को	3	उनसे मुझे प्राप्त कर नहीं सकते।
D	बाप आते हैं ट्रांसफर करने अर्थात्	4	अन्धियारा मार्ग कहा जाता है।
E	बाप कहते हैं यह सब भक्ति मार्ग के शास्त्र हैं	5	आधा- आधा है।
F	बहुत धैर्य से बैठ समझाना चाहिए, हंगामा भी न हो।	6	मनुष्य को देवता बनाने।

Q.5) रचयिता और रचना को जानने वाले को ___ कहा जाता है।

A. आस्तिक
B. योगी
C. समझदार
D. नालेजफुल
E. ज्ञानी

Q.6) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	सतयुग में हम पवित्र देवी- देवता थे,	1	शरीर भी तमोप्रधान मिलता है।
B	प्वाइंट्स भूल जाती हैं	2	तो वहाँ आते ही नहीं।
C	जो बहुत थोड़ा धीरे से बोलते हैं तो	3	सन्यास मार्ग था नहीं।
D	आत्मा तमोप्रधान होती है तो	4	समझते हैं यह रॉयल घर का है।
E	इस समय सभी मनुष्य आत्मायें नास्तिक हैं	5	इसलिए ही हंगामें हैं।
F	सन्यास धर्म वाले तो नई दुनिया को जानते ही नहीं।	6	इसलिए फेल होते हैं।

Q.7) बाप को सिर्फ पुरानी दुनिया को नई बनाने आना पड़ता है। ऐसे नहीं कि बाप नई सृष्टि रचते हैं।

A. True / ये वाक्य सही है
B. False / ये वाक्य गलत है

Q.8) सबसे अच्छा दैवीगुण है -

A. प्यार से रहना
B. निर्मल रहना
C. शान्त रहना

Q.9) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोडें --

	Choice		Match
A	सुख और शान्ति के लिए सतसंगों में जाते हैं ना।	1	नई दुनिया और पुरानी दुनिया का फ़र्क दिखाना चाहिए।
B	मनुष्य यह नहीं जानते कि सतयुग कब होता है?	2	अभी क्या है? यह तो कोई बच्चा भी समझ सकता है।
C	जो आये उनको	3	बोलो- नहीं, दैवीगुण होते ही हैं देवताओं में क्योंकि वह पवित्र हैं।
D	दैवीगुण होते ही हैं देवताओं में। मनुष्यों में नहीं होते हैं।	4	प्रवृत्ति मार्ग वालों की ही महिमा गाई हुई है।
E	कोई कहे फलाने में बहुत अच्छे दैवीगुण हैं!	5	जो नहीं जाते वह मायावी मस्ती में ही मस्त रहते हैं।
F	सतयुग में आदि सनातन देवी- देवताओं का प्रवृत्ति मार्ग था।	6	तब तो मनुष्य जाकर देवताओं के आगे नमस्ते करते हैं ना।

Q.10) किस मुख्य धारणा के आधार से सर्व दैवीगुण स्वतः आते जायेंगे?

A. शांति
B. पवित्रता
C. आत्मिक दृष्टि